एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

कार्तिक शुक्ल पक्ष, दशमी
बुधवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

6 नवंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

ग्राहक पंचायत ने की बस्तों का वजन जांचने की मांग

गुना

स्कूल बैग के वजन में दबे बच्चों को लेकर पहली बार किसी संगठन ने आवाज उठाई है। ग्राहक पंचायत ने अपर कलेक्टर को ज्ञापन देकर मांग की है कि शिक्षा विभाग के जरिए स्कूलों में बच्चों के बैग के वजन मापने का कार्यक्रम चलाया जाए।

इस साल की शुरूआत में केंद्र सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय ने कक्षा एक से लेकर 8वीं तक स्कूल बैग का वजन तय कर दिया था। यह आदेश जारी होने के बावजूद स्कूलों में बच्चों पर तय सीमा से दो से तीन गुना वजन लादा जा रहा है। शहर के 10 बड़े निजी स्कूल लगातार इसकी अनदेखी कर रहे हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट आदेश दिया था कि स्कूलों में एनसीईआरटी के अलावा दो-तीन अतिरिक्त किताबें ही चलाई जाएं। ग्राहक पंचायत के अलंकार वशिष्ठ ने बताया कि 9 सितंबर को हमने कुछ स्कूलों के बच्चों के बस्ते का वजन मापा था। यह तय सीमा से बहुत ज्यादा निकला। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन ने तब शिक्षा विभाग के अधिकारियों से अनुरोध किया था कि वे अपने स्तर पर ऐसी मुहिम चलाएं। इसमें संगठन की ओर से भी सहयोग दिया जाएगा। पर विभाग की ओर से कोई रिस्पांस नहीं मिला। इसलिए अपर कलेक्टर को ज्ञापन देकर इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। निजी विद्यालयों के संचालकों द्वारा कमीशनखोरी के लालच में बच्चों को आवश्यकता से अधिक पुस्तकें क्रय करवाई जाती हैं। जिसके कारण पालकों तथा बच्चों का आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक शोषण हो रहा है। इस शोषण को रोकना समाज के हित में आवश्यक है। इस शोषण को रोकने के लिए ग्राहक पंचायत द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर यह आवाज उठाई गई। इस मौके पर ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अलंकार वशिष्ठ, जिलाध्यक्ष आशीष रंजन यादव, जिला सचिव रामकृष्ण रघुवंशी, जिला सहसचिव अशोक शर्मा, रामबाबू रघुवंशी, राके श शर्मा, अमित प्रताप सिंह, आनन्द पाण्डेय, धर्मेन्द्र चौहान, प्रद्युम्न सिंह सिकरवार आदि उपस्थित थे।

एकात्म भारत ई-पेपर पढ़ने के लिए फेसबुक पर दैनिक एकात्म भारत पेज को लाइक कर सकते हैं । इएकात्म भारत www.ekatmabharat.com पर भी उपलब्ध है। आप ई-मेल ekatmabharatl@gamil.com पर समाचार और सूचनाएं भेज सकते हैं।

अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा प्रारंभ, निर्णय के पहले ही उमड़े लाखों श्रद्धालु

श्रद्धालुओं ने कहा अब रामलला को मिलनी चाहिए टेंट से मुक्ति, सरयू में स्नान के बाद किए रामलला के दर्शन

अयोध्या

श्री राम जन्मभूमि मामले में निर्णय से कुछ दिन पहले मंगलवार को अयोध्या की सड़कें राम भक्तों से पट गई। सोमवार की आधी रात के बाद से देश के विभिन्न हिस्सों से आए लाखों श्रद्धालु धर्मनगरी के चारों ओर सड़कों पर उमड़ पड़े। अवसर था रामनगरी की चौदह कोसी परिक्रमा के साथ ही अक्षय नवमी के पर्व पर होने वाले प्रसिद्ध कार्तिक परिक्रमा मेले का। हर वर्ष कार्तिक मेले के मौके पर चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा के साथ कार्तिक पूर्णिमा स्नान होता है।

निर्धारित मुहूर्त मंगलवार की सुबह 06.05 बजे से करीब छह घंटे पहले ही चौदह कोसी परिक्रमा शुरू हो गई। यह परिक्रमा मंगलवार को पूरे दिन और फिर रात भर चलायमान रहेगी। श्रद्धालु अयोध्या पहुचे उनके हाथ में देश के और भगवा झंडे थे। लगभग 20 लाख श्रद्धालुओं के रामनगरी की परिक्रमा करने की संभावना है।

आधी रात के बाद अचानक लाखों श्रद्धालुओं की ओर से नियत मुहूर्त से पहले ही परिक्रमा शुरू कर दिए जाने से प्रशासन और पुलिस महकमे की तैयारियां भी प्रभावित हुईं। परिक्रमा छह घंटे पहले ही शुरू हो जाने की सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने तमाम व्यवस्थाओं को नए सिरे से प्रभावी किया। लाखों की तादात में श्रद्धालु भी आते हैं, लेकिन इस बार यह सब तब हो रहा है जब अयोध्या के राम मंदिर मामले पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आना है। अयोध्या के लोगों को इस बार कम भीड़ आने का अंदेशा था। लेकिन सोमवार की आधी रात के बाद और फिर मंगलवार की सुबह से चौदह कोसी परिक्रमा में उमड़ी भीड़ देखकर यही लगा कि लाखों श्रद्धालु किसी भी आशंका से भयभीत नहीं हैं।हर वर्ष कार्तिक मेले के मौके पर चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा के साथ कार्तिक पूर्णिमा स्नान होता है। लाखों की तादात में श्रद्धालु भी आते हैं, लेकिन इस बार यह सब तब हो रहा है जब अयोध्या के राम मंदिर/बाबरी मस्जिद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आना है। अयोध्या के लोगों को इस बार कम भीड़ आने का अंदेशा था। लेकिन सोमवार की आधी रात के बाद और फिर मंगलवार की सुबह से चौदह कोसी परिक्रमा में उमड़ी भीड़ देखकर यही लगा कि लाखों श्रद्धालु किसी भी आशंका से भयभीत नहीं हैं।

सोमवार की आधी रात से शुरू हुई चौदह कोस की अयोध्या परिक्रमा मंगलवार को पूरे दिन जारी रही। अलग-अलग चरणों में देश भर से आए श्रद्धालुओं ने पहले सरयू स्नान किया और फिर परिक्रमा का शुभारंभ। चौदह कोस

की सड़कों पर नंगे पांव युवा, बुजुर्ग, महिला, पुरुष और बच्चे, हर वर्ग के लोग श्रीराम का जयघोष करते हुए भक्तिभाव में आगे बढ़ते रहे। परिक्रमा पूरी करने के बाद श्रद्धालुओं ने श्रीरामजन्मभूमि में विराजमान रामलला, हनुमानगढ़ी, कनक भवन और नागेश्वरनाथ समेत अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन किया।

कार्तिक परिक्रमा मेले के दौरान चौदह कोसी परिक्रमा में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 15 से 20 लाख श्रद्धालु राम की नगरी में पहुंचे हैं। बड़ी तादात में पड़ोसी देश नेपाल से भी श्रद्धालु परिक्रमा में शामिल होने के लिए आए हैं। चौदह कोसी परिक्रमा में भाग लेने के बाद तमाम श्रद्धालुओं ने श्रीरामजन्मभूमि में विराजमान रामलला का दर्शन किया। रामलला का दर्शन कर जन्मभूमि से बाहर निकले कई श्रद्धालुओं ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के आने वाले निर्णय की बाद की परिस्थितियों में किसी तरह की आशंका का उन्हें कोई खौफ नहीं है। चौदह कोसी परिक्रमा के दौरान श्रीरामजन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास और बाबरी मस्जिद के मुद्दई इकबाल अंसारी चौदह कोसी परिक्रमा में शामिल श्रद्धालुओं से मिले। दोनों हिन्दू-मुस्लिम पक्षकार एक साथ परिक्रमा पथ पर पहुंचे।

अजान का मुद्दा उठते ही शांति समिति की बैठक में सन्नाटा

शादी में बजने वाले डीजे पर उठाए सवाल

एकात्म भारत. इंदौर

श्री राम जन्मभूमि के संभावित निर्णय को देखते हुए इंदौर में जिला प्रशासन ने शांति समिति की बैठक बुलाई थी। बैठक में सद्भाव बनाए रखने के विषय पर चर्चा चल रही थी। लेकिन जैसे ही शोर के मुद्दे पर मस्जिद के लाउड स्पीकर की बात उठी को बैठक में चुप्पी छा गई और इसे समाप्त कर दिया गया।

बैठक में शहर काजी इशरत अली ने कहा कि मुस्लिम समाज में शादियो में नाच-गाना और बैंड बाजे तथा डीजे पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पिछले एक साल में 99 प्रतिशत निकाह बिना बैंड बाजे के हुए हैं। उन्होंने कहा कि मैं प्रशासन से निवेदन करुंगा कि वे पंडित और महाराजों की बैठक लें और बारात में बैंड बाजे और नाच गाने बंद कराएं। इस मुद्दे पर बैठक में मौजूद अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के सचिन बघेल खड़े हुए और उन्होंने कहा कि हर बैठक में ध्वनि प्रदूषण बात होती है और प्रशासन ने तो रणजीत हनुमान मंदिर को लेकर आदेश भी दिए थे। इतना ही नहीं गणेशोत्सव के समय भी इस तरह की बातें हुई थीं। बघेल ने कहा कि हमारे यहां कई मस्जिदें हैं जिन पर ढ़ेरों लाउड़ स्पीकर लगे हुए हैं। खुदा की इबादत शांति से हो सभी धर्मस्थलों पर लाउडस्पीकर की संख्या सीमित होना चाहिए। मस्जिदों में इबादत के लिए कितना साउंड होना चाहिए ये तय करना पड़ेगा? सुबह पांच बजे राजबाडा चौक में खड़े होकर देखें और बताएं कि तेज आवाज में किसको सुनाना चाहते हो? इतना ही सुनते ही बैठक में सन्नाटा छा गया और प्रशासन ने तुरंत बैठक समाप्त कर दी।

बैठक के बाद बघेल ने बताया कि शोर का नियम सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए हमारी मांग यही है। काजी साहब को यदि शादी को शोर से समस्या है तो उन्हें मस्जिद के शोर की भी चिंता करना चाहिए।